विकास

विकास के प्रकार

अभिवृद्धि तथा विकास

अभिवृद्धि	विकास
अभिवृद्धि केवल शारीरिक रूप से होती है	विकास सभी पहलुओ में होता है जैसे भाषात्मक, ज्ञानात्मक, भाषायी, सामाजिक, भावात्मक
अभिवृद्धि का मापन किया जा सकता है	विकास गुणात्मक है
अभिवृद्धि जीवन के एक निश्चित समय पर रुक जाती है	विकास मृत्यू तक निरंतर जारी रहता है
उदा. वजन या लम्बाई में वृध्दि	उदा. विभिन्न कौशल सीखना जैसे बोलना, सीढ़ी उतरना या चढ़ना इ.

विकास के प्रकार

शारीरिक

ज्ञानात्मक

सामाजिक तथा भावनिक

भाषात्मक

शारीरिक विकास

- शारीरिक विकास में आते है सकल गत्यात्मक कौशल जैसे -

चलना

दौड़ना

पकड़ना

कूदना

शारीरिक विकास

- शारीरिक विकास में सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल भी शामिल है जैसे

पेंटिंग

चम्मच से खाना

लिखना

ज्ञानात्मक विकास

- ज्ञानात्मक विकास इस बात पर ध्यान केन्द्रित करता है की बच्चा किस प्रकार सीखता है और सूचनाओ का उपयोग करता है
- अपने ज्ञानेन्द्रियों का उपयोग करके आसपास के वातावरण को समझने की कोशिश करता है

सामाजिक तथा भावात्मक विकास

- सामाजिक व्यवहार (संवाद करना,सहभाग करना) बड़े तथा दुसरे बच्चो के साथ रहने से ये कौशल विकसित होते है
- भाव या आवेग का मतलब है हमारी मानसिक स्थिति . भावात्मक विकास याने अपने आवेगों को नियंत्रित करने की क्षमता.

भाषात्मक विकास

- भाषा एक दुसरे से जुड़े रहने का एक महत्वपूर्ण साधन है
- बच्चे आपसी संवाद को सुनकर और प्रतिक्रिया देकर भाषा सिखने की कोशिश करते है.

Thank You